यूनियन बैंक ऑफ इंडिया Union Bank of India

सुरक्षित भविष्य

वाह भोला, बहुत अच्छी फसल हुई है.

हां काका, वह तो है. लगता है दाम भी चोखे मिलेंगे.
मिलने ही चाहिए पर मेरी एक बात गांठ बांध लो.
वह क्या?
500

खुशी में सारे पैसे खर्च मत कर डालना बचत अवश्य करना. न जाने कब जरूरत पड़ जाए.

सही कहते हो काका. दस साल पहले जब सूखा पड़ा था तो बापू ने महाजन से कर्ज ले लिया था. बड़ी ही मुश्किल से पिंड छुड़ाया.
खेत-घर सब कुर्क करा दूंगा.
रहम.

उस वर्ष भारी बरसात हुई. बाढ़ से खेत-घर सब बर्बाद हो गए.

एक महीने बाद
वाह भोला! क्या बात है. तुमने तो खेत-घर सब ठीक करा लिए.

सब तुम्हारी ही मेहरबानी है. तुमने बचत करने की जो सलाह दी थी, बहुत काम आई.

पर काका तुम्हारे मकान की ऐसी हालत क्यों है? मरम्मत तक नहीं कराई?

कैसे कराता, जो बचाया था, चोर चुरा ले गए और शेष बाढ़ में बह गया.

क्या कहते हो काका? आपने पैसे कहां रखे थे?

हम तो दादा-परदादा के जमाने से ऐसा ही करते आ रहे हैं. पर तुम्हारे पैसे कैसे बच गए?

मैंने तो उसी दिन यूनियन बैंक में खाता खोला और सारे पैसे जमा करा दिए.

पर बैंक भी तो बाढ़ में बह गया था?
हां. मैं भी डर गया था. फिर मैनेजर साहब ने समझाया कि हमारे खाते व उसमें जमा पैसों का हिसाब उनके मुख्य कंप्यूटर में सुरक्षित रहते हैं.
डाटा सेंटर
यहीं नहीं, हम देशभर में यूनियन बैंक की किसी भी शाखा से लेन-देन कर सकते हैं.
मतलब पैसा सुरक्षित और ब्याज की आय भी
यह तो कमाल की बात है.
हां, उनके पास हमारी हर जरूरत के लिए योजनाएं हैं.
संचयी
बचत बैंक
सा. जमा
ऋण
कार्ड

यही नहीं, जरूरत पड़ने पर वे हमें ऋण भी देते हैं, वह भी सरल शर्तों पर. मेरे मकान की मरम्मत भी बैंक के कर्ज से हुई है. यह जो खेतों में लहलहाती फसल देख रहे हो, यह भी उसी की बदौलत है.

वह तो ठीक, पर तुम्हारी फसल इतनी हरी-भरी और शानदार कैसे? ऐसी तो आजतक नहीं देखी.

बैंक ने ग्राम ज्ञान केंद्र खोल रखे हैं. यह उसी की सलाह का फल है.
अच्छा, यह ग्राम ज्ञान केंद्र क्या है?

ग्राम ज्ञान केंद्र में बैंक का जानकार अधिकारी तैनात होता है. वह किसानों को उन्नत बीज, खाद, दवाओं व उच्च तकनीक की सलाह देता है. यहां तक कि वह मंडी की जानकारी भी मुहैया कराता है.

पर मुझे बैंक से डर लगता है. पढ़ना-लिखना नहीं आता न.
काका वहां सब लोग बहुत अच्छे हैं. तुम्हारी मदद करेंगे.
नकदी
क्या मैं आपकी सहायता कर सकती हूं.
बचत बैंक
मेरे साथ चलो, तुम्हारा डर तो मैनेजर साहब ही दूर कर सकते हैं.
आओ भोला, कैसे आना हुआ?
यूनियन बैंक

यह काका हैं. इनका खाता खुलवाना हैं.
हां हां क्यों नहीं. बस तुम्हारा पहचानपत्र व फोटो चाहिए. फिर यह छोटा सा फार्म भर कर खाता खोल सकते हैं.
मेरा राशनकार्ड और पहचानपत्र तो सब बाढ़ में बह गया.
कोई बात नहीं सरपंचजी से लिखवा लाना.

मुझे कैसे पता चलेगा कि मेरे कितने पैसे बैंक में जमा हैं ?
खाताधारक को बैंक पासबुक देता है जिसमें उसके पैसे चढ़े होते हैं समय समय पर उसे पूरा कराते रहना चाहिए.
पासबुक
बैंक सरकार द्वारा प्रायोजित योजनाओं में भी ऋण देता है.
इससे आपको सरकारी सब्सिडी का भी लाभ होता है.
500/-

काका को बीज, खाद, दवा आदि के लिए बैंक की मदद चाहिए.

बैंक आपकी मदद के लिए ही तो है. हम आपको यूनियन ग्रीन कार्ड दे सकते हैं जिससे आप यह सब चीजें खरीद सकते हैं.

ट्रैक्टर चाहिए, मुर्गी, मत्स्य या पशुपालन आदि हर कामधंधे के लिए बैंक सहायता करता है.

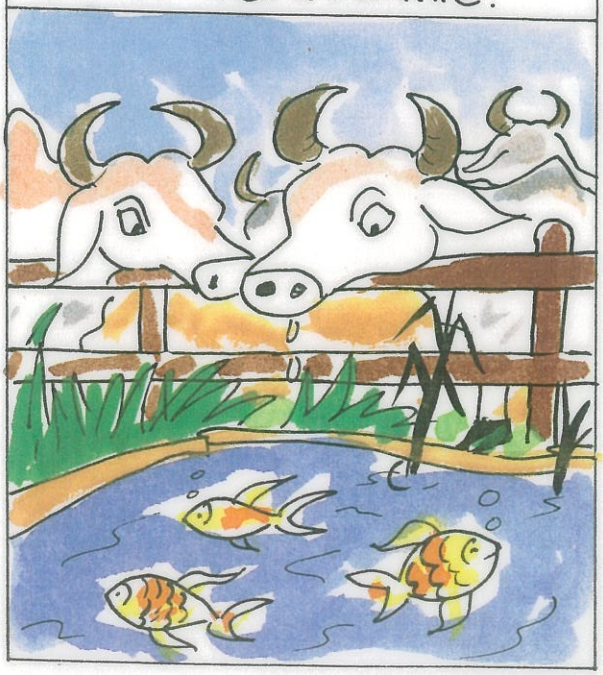

पर महाजन की तरह हिसाब में गड़बड़ तो नहीं होगी?

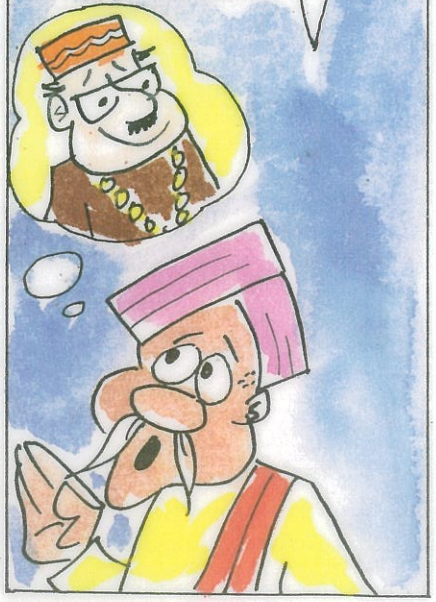

निश्चिंत रहें बैंक आपको ऋण खाते का लेखाजोखा भी देता है. जब चाहे जांच कर लो.
सौ टका बराबर है.
पास बुक
वाह! मैनेजर साहब मैं समझ गया कि बैंक से हम सबका कल्याण है. अब मेरा भी घर, गाय और लहलहाता खेत होगा.
मैं आज ही यूनियन बैंक में खाता खोलता हूं और अपना व अपने परिवार का भविष्य सुरक्षित बनाता हूं.
आपके सपने अब केवल आपके नहीं